सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु,
सिद्धार्थनगर, उ0प्र0–272202
Website : www.suksn.edu.in – Email Id : registrarsidduniv@gmail.com

पत्रांकः 34 /सि0वि0वि0/सम्बद्धता/2026 दिनांक 24/01/2026

सेवा मे ,

प्राचार्य/प्रबन्धक,
सम्बद्ध समस्त महाविद्यालय,
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।

विषय–गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी, 2026 के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक (उ0शि0), महोदय का संदेश के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र सं0–डिग्री विकास/2842/2025–26, दिनॉक–23.01.2026 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसमें गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी, 2026 के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक (उ0शि0), महोदय का संदेश सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों में पढकर सुनाने का निर्देश प्राप्त हुआ है।

अतः सम्बद्ध समस्त महाविद्यालय को सूचित किया जाता है कि **गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी, 2026 के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक (उ0शि0) महोदय का संदेश अपने संस्था/महाविद्यालय में** पढकर सुनानें का कष्ट करें।

संलग्नकः– शिक्षा निदेशक (उ0शि0), महोदय का संदेश की छायाप्रति।

भवदीय

24/01/26

कुलसचिव
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु,
सिद्धार्थनगर।

प्रतिलिपिः– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त प्रबन्धक/प्राचार्य।
2. प्रभारी कोडिंग सेल को इस निर्देश के साथ कि उक्त सूचना विश्वविद्यालय के वेबसाइट एवं समस्त महाविद्यालय के कालेज लागिन पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें।
3. निजी सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के संज्ञानार्थ।
4. गार्ड फाइल में संरक्षित हेतु।

कुलसचिव
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु,
सिद्धार्थनगर।

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक (उ0शि0),
शिक्षा डिग्री विकास अनुभाग,
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ।

सेवा में,

1–समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी,
उ0 प्र0।
2–प्राचार्य/प्राचार्या
समस्त राजकीय/अशासकीय सहायता प्राप्त/स्ववित्तपोषित महाविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांकः– डिग्री विकास/284-2 /2025–26 दिनांक 21/01/2026

विषय –गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी 2026 के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक (उ0शि0), महोदय का संदेश विषयक।

महोदय,

आगामी 26 जनवरी 2026 को मनाये जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह के शुभ अवसर पर शिक्षा निदेशक (उ0शि0), उ0प्र0, प्रयागराज महोदय के संदेश की एक प्रति आपके पास इस आशय से संलग्न कर प्रेषित है कि कृपया उक्त अवसर पर अपने संस्था/महाविद्यालय/कार्यालय में होने वाले समारोह में इस संदेश को पढ़कर सुनाने का कष्ट करें।

संलग्नकः–शिक्षा निदेशक (उ0शि0), उ0प्र0 के संदेश की प्रति।

भवदीय,

डॉ०(अजीत कुमार सिंह)
सहायक निदेशक (उ0शि0)
कृते–शिक्षा निदेशक (उ०शि०),
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

पृष्ठांकन संख्या डिग्री विकास/284-2-46/उसी तिथि को।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1–निदेशक,सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, लखनऊ।
2–कुलसचिव, समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
3–पुस्तकालयाध्यक्ष, राजकीय पब्लिक लाइब्रेरी, प्रयागराज।
4–तकनीकी सहायक, उच्च शिक्षा निदेशालय प्रयागराज को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि इस पत्र को बेवसाइट पर प्रदर्शित कराना सुनिश्चित करें।

डॉ०(अजीत कुमार सिंह)
सहायक निदेशक (उ0शि0)
कृते–शिक्षा निदेशक (उ०शि०),
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2026

शिक्षा निदेशक, (उच्च शिक्षा)

उत्तर प्रदेश, प्रयागराज का संदेश

भारत वर्ष के 77वें गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर मैं उच्च शिक्षा विभाग के उन्नयन एवं विकास के साक्षी समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अभिभावकों तथा छात्र छात्राओं को शुभकामनाओं के साथ हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं आज के दिन उन शहीदों तथा महापुरुषों, जिनके त्याग, बलिदान एवं संघर्ष के फलस्वरुप इस स्वर्णिम प्रभात के दर्शन हुए है, को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए स्वतंत्रता, सम्प्रभुता एवं राष्ट्रीय स्मिता के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को नमन करता हूँ।यह राष्ट्रीय पर्व हमें भारतीय संविधान की सर्वोच्चता तथा उसमें निहित मूल्यों–न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व–के प्रति अपनी आस्था को पुनः सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में उच्च शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस महान दायित्व के केंद्र में आप सभी शिक्षकगण हैं।

उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जागरूक, सक्षम और उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण का माध्यम है। उत्तर प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, नवाचार, समावेशन और रोजगारपरकता को प्राथमिकता देते हुए निरंतर आगे बढ़ रही है। इस यात्रा में आपके समर्पण, अनुशासन और बौद्धिक नेतृत्व से ही प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो सकती है। गणतंत्र दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं आपके समक्ष प्रदेश में संचालित उच्च शिक्षा से संबंधित प्रमुख क्रियाकलापों एवं योजनाओं की जानकारी साझा कर रहा हूँ।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 22 राज्य विश्वविद्यालय, 01 मुक्त विश्वविद्यालय, 01 मानित (डीम्ड) विश्वविद्यालय, 52 निजी विश्वविद्यालय, 217 राजकीय महाविद्यालय, 331 सहायताप्राप्त महाविद्यालय और 7482 स्ववित्तपोषित महाविद्यालय संचालित है।

प्रदेश में पिछले 09 वर्षों में 06 नये राज्य विश्वविद्यालय, कमशः राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ (2019), माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर (2021), महाराजा सुहेल देव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ (2021), माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर (2023), गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद (2023) एवं माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर (2023) में स्थापित किये गये हैं, जिनमें पदसृजन करते हुए कार्य संचालित कर दिया गया है।

प्रदेश में नवस्थापित 71 नये राजकीय महाविद्यालयों में प्राचार्य, प्रवक्ता पुस्तकालय एवं सहायक आचार्य अर्थात कुल 1207 पद एवं तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के कुल 142 पदों का सृजन

किया गया हैं। 71 राजकीय महाविद्यालयों में से 46 महाविद्यालयों में सत्र 2025–26 से प्रवेश एवं अध्यापन कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं महाविद्यालयों में सुशासन/बेहतर नियंत्रण हेतु शासन के आदेश दिनांकः 06 अगस्त, 2025 के अनुक्रम में प्रदेश के शेष 10 मण्डलों में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्थापित किए गए है।

'चिवनिंग भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना' के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2026–27, 2027–28 एवं 2028–29 के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिसमें प्रदेश के 05 प्रतिभावान छात्रों को यू0के0 में मास्टर डिग्री लेने हेतु छात्रवृत्ति प्रदान किये जाने का लक्ष्य निर्धारित है।

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चत करने के लिए राज्य स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का गठन (State Level Quality Assurance Cell-SLQAC) करते हुए क्रियाशील किया गया हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में च्वायस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, मल्टीपल एंट्री–एग्जिट सिस्टम, रोजगारपरक/वोकेशनल/वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम संचालित हैं।

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज में पत्रावलियों का संचालन ई–आफिस के माध्यम से किया जा रहा है तथा क्षेत्रीय कार्यालयों एवं राजकीय महाविद्यालयों में भी ई–आफिस प्रणाली शीघ्र ही क्रियान्वित की जा रही है।

स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर "हर घर तिरंगा" अभियान एवं "काकोरी ट्रेन–एक्शन" की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में उच्च शिक्षा विभाग के तत्वाधान में विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

प्रदेश के समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालयों में फैमिली आई0डी0–एक परिवार एक पहचान योजना के अन्तर्गत उच्च शिक्षा विभाग में नामांकित विद्यार्थियों का आधार आथेन्टिकेशन कराये जाने की प्रक्रिया गतिमान है।

शैक्षणिक सत्र 2024–25 से प्रदेश के समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालयों में "समर्थ" पोर्टल का क्रियान्वयन किया जा रहा है। सत्र 2025–26 से समस्त विश्वविद्यालयों में छात्र–छात्राओं का प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है। समस्त राजकीय महाविद्यालयों एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों का कैरियर एडवान्समेन्ट योजना के अन्तर्गत प्रोन्नति का कार्य समर्थ के माध्यम से आनलाइन पारदर्शिता के साथ संचालित है।

प्रदेश में प्रथम बार शिक्षक/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का पूर्ण सेवा विवरण मानव सम्पदा पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है जिससे अवकाश एवं सेवा सम्बन्धी प्रकरणों में शुचिता एवं पारदर्शिता स्थापित हुई है।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष दिनांक 25.12.2024 से 25.12.2025 तक आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों का विवरण आनलाइन अपलोड कराये जाने के लिए वेब पोर्टल का निर्माण किया गया है। समस्त जनपदों में जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया।

प्रदेश सरकार द्वारा स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजनान्तर्गत प्रदेश की उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को निःशुल्क स्मार्ट फोन एवं टैबलेट राजकीय वितरित किये जा रहे हैं।

प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/वर्कशॉप/सिम्पोजियम आयोजित किये जाने हेतु रू0–3.00 लाख का प्रावधान है एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों हेतु रू0–20.00 लाख का प्रावधान है तथा सत्र 2025–26 मे राजकीय महाविद्यालयों हेतु रू0–25.00 लाख का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जा चुका है।

प्रदेश के महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में रिसर्च एवं डेवलपमेंट योजनान्तर्गत उच्च शिक्षामें शोध एवं विकास को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक वित्तीय वर्ष में रू0–400.00 लाख रूपये का प्रावधान है। प्रदेश के राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को शोध कार्य हेतु अनुदान प्रदान किया जाता है।

राजकीय महाविद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में धनराशि रू0–1000.00 लाख का प्रावधान है। महाविद्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों के परीक्षणोपरान्त संबंधित महाविद्यालय को धनराशि आवंटित करने की प्रक्रिया गतिमान है।

प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में प्रवक्ताओं के चयनित 840 पदों की आनलाइन पदस्थापन की कार्यवाही एन0आई0सी0 के माध्यम से पूर्ण की जा चुकी है। प्रवक्ताओं के 1258 पदों का अधियाचन शासन द्वारा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज को प्रेषित किया जा चुका है।

प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में विज्ञापन संख्या–49 के अन्तर्गत 290 प्राचार्य एवं विज्ञापन संख्या–50 के अन्तर्गत 2002 प्रवक्ताओं की नियुक्ति की गयी है एवं उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा असि0प्रो0 के 1017 पदों पर चयन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

गणतंत्र दिवस का यह अवसर हमें यह स्मरण कराता है कि शिक्षण कार्य एक संवैधानिक दायित्व भी है। शिक्षकों के रूप में हम सभी पर यह जिम्मेदारी है कि हम विद्यार्थियों में संवैधानिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्य, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नैतिकता और राष्ट्र प्रेम का विकास करें। साथ ही, बदलते वैश्विक परिदृश्य में विद्यार्थियों को नवाचार, कौशल और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और छात्र कल्याण के

क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयास तभी सार्थक होंगे जब उनमें आपकी सक्रिय सहभागिता रहेगी। शिक्षकों का सतत अधिगम, अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता और समाज से जुड़ा दृष्टिकोण ही उच्च शिक्षा को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

आदरणीय शिक्षकगण,

आपका कर्तव्य केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि आप समाज के पथ प्रदर्शक हैं। आपके विचार, आचरण और कार्यशैली से ही भावी पीढ़ी का चरित्र और दृष्टि निर्मित होती है। गणतंत्र दिवस के इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं आप सभी से आह्वान करता हूँ कि आप संविधान के आदर्शों को आत्मसात करते हुए, शैक्षणिक उत्कृष्टता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वों के साथ अपने कार्य को आगे बढ़ाएं।

आइए, हम सभी मिलकर "सशक्त शिक्षक–उत्कृष्ट उच्च शिक्षा–समृद्ध उत्तर प्रदेश–सशक्त भारत" के संकल्प को साकार करें।

आप सभी को एक बार पुनः गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिन्द।

जय भारत।।

डॉ0 (बी0एल0शर्मा)
शिक्षा निदेशक(उ0शि0)
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।